



अमृतवाणी

जिनका स्वभाव अच्छा होता है, उन्हें कमी प्रभाव दिखाने की जरूरत नहीं पड़ती।

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606

संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा

रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

भ्रष्टाचार नहीं भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए लड़ रहे हैं मोदी : कांग्रेस



सूर्योदय - 6:19, सूर्यास्त - 6:32

वर्ष : 53/ अंक : 80

रविवार, 23 मार्च 2025

चैत्र, कृष्ण पक्ष, नवमी

सम्बत् 2081

मूल्य 3 रुपये

कुल पृष्ठ-4

कौन-कौन सी पार्टी के ?.....

मां-बाप का नाम डुबो रही औलादे, अय्याशी के अड़े चला रहे थे शहजादे

मुज़फ़्फ़रनगर, 22 मार्च (बु.)। मुज़फ़्फ़रनगर में लगातार बेखोफ़ होकर अय्याशी के अड़े चलाए जा रहे हैं। पिछले तीन महीने में 6 से अधिक अय्याशी के अड़े, कहीं स्या सेंटर तो कहीं कैफ़े सेंटर के नाम पर मिल चुके हैं, मगर फिर भी कोई डर खोफ़ न पुलिस का और न मां-बाप का स्या सेंटर चलाने वालों को और न इन स्या सेंटरों में ग़रलियां मनाने वालों को। आज फिर ऐसा ही शर्मनाक मामला सामने आया, जिसमें द्वारिकापुरी के सामने स्थित ब्लोसम नाम से चलाए जाने वाले स्या सेंटर में लगभग आधा दर्जन से अधिक लड़के लड़कियां मोंके से पकड़े गए। पकड़े जाने के बाद मुंह ढककर उक्त युवतियां बाहर निकलती दिखाई दीं। युवतियां और युवकों के चेहरे पर जरा भी शर्म नाम को चीज दिखाई नहीं दे रही थी। और शर्म आणी भी कहां, शर्म तो आजकल के युवाओं ने शायद इन्हीं कैफ़े और स्या सेंटरों में मुफ्त के भाव बेच दी है। ना उन्हें लोक लाज का डर और न लाड़-प्यार से पालकर बड़ा करने वाले मां-बाप का कोई खोफ़ रहा है। बस दुनिया में फ़ेंडशिप के नाम पर आए दिन अय्याशी करना ही ऐसी औलादों का उद्देश्य दिखाई देता है। फिलहाल पुलिस युवक-युवतियों को पकड़कर नई मण्डो कोतवाली ले गयी है और स्या सेंटर संचालक सुनील उर्फ़ विक्रि निवासी गांधी कॉलोनी का निवासी बताया जा रहा है।



इससे पहले भी मिल चुके हैं अय्याशी के अड़े

मुज़फ़्फ़रनगर। मुज़फ़्फ़रनगर में यह पहला मौका नहीं है जब औलादों ने मां-बाप को शर्मसार करने में कोई कसर छोड़ी हो। इससे पहले भी महावीर चौक के निकट स्थित एक कैफ़े सेंटर से लगभग दो दर्जन से अधिक युवक-युवती आपत्तिजनक कार्यों में लिप्त पाए गए थे, उसके बाद गांधी कॉलोनी में बुद्धा कैफ़े, भोपा रोड पर स्या सेंटर, खलीली में होटल, रेलवे रोड स्थित कमल प्लाजा, बुढ़ाना में स्या सेंटर आदि कई स्थानों पर युवक-युवती आपत्तिजनक हालत में पकड़े गए थे, जिनके समाचार भी प्रत्येक सोशल मीडिया व समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किये गए। बड़ी बात यह है कि उक्त कैफ़े, स्या सेंटर चलाने वालों को पुलिस का भी कोई खोफ़ नहीं है कि पकड़े जाने के बाद सामाजिक बदनामी तो होगी ही, साथ ही साथ पुलिस द्वारा जो कार्रवाई भी की जाएगी, वह जितनी भर के लिए मां-बाप व औलाद के माथे पर कलंक के समान होगी। बावजूद इसके आज की औलादों को मां-बाप की इज्जत की कोई चिंता नहीं रही।

प्रेम की दुहाई देकर शरीरों को भोग रही युवा पीढ़ी

मुज़फ़्फ़रनगर। एक समय था जब प्रेम को पूर्णतया पवित्र माना जाता था और लोग इसे इबादत तक समझते थे, मगर प्रेम के नाम पर युवा पीढ़ी आज जो कर रही है, वह वास्तव में आज के युग में प्रेम के नाम को ही दगदग कर रही है। युवा ही नहीं, किशोर उम्र में ही होटलों के बिस्तरों पर पहुंचकर देह पिपासा में लिप्त आजकल के किशोर व युवा प्रेम का बखान करते हैं। यदि ये वास्तव में प्रेम है तो पहले इस प्रेम का अता-पता अपने माता-पिता को दो। उसके बाद उनकी सहमति से विवाह जैसा संस्कार सम्पन्न करो, उसके बाद आप बिस्तर तक पहुंचने के अधिकारी हैं। एक तरफ़ तो हम भारतीय संस्कृति की दुहाई देते हुए लोक लाज की बात करते हैं, दूसरी ओर आज हम पाश्चात्य संस्कृति से भी गंवे गुजरे हो गए हैं। जिन संस्कारों में हम पले बढ़े हैं, वहां बालिंग होने के बाद ही हम इन कृत्यों की तरफ़ बढ़ने के अधिकारी हैं, वो भी विवाह की परम्परा में बंधने के बाद। मगर आज सांस्कृतिक ताना-बाना तार-तार कर चुकी युवा पीढ़ी जिस तरह से सबकुछ ताक पर रखे हुए है, ऐसा लगता है कि मानो अगले दस सालों में देश के सांस्कृतिक हालात विदेशों से भी बदतर हो जाएंगे। पहले के जमाने में प्रेम को भी बड़ी शालीनता के साथ किया जाता था। यदि इतनेफ़क से कुछ लोग इस प्रेम को कर भी लेते थे, तो इसकी इत्ता पड़ोस तक भी नहीं पहुंचती थी। प्रेमी युगल सहजता से अपने परिवार में यह बात रखता और परिवार के लोग जैसी सहमति जताते वैसा औलादों मान जाती थी, फिर चाहे अपना प्रेम अपसुर ही क्यों न रह जाए। आज के दौर में यदि परिवार के लोग औलादों को यह समझते हैं कि अभी तुम्हरी प्रेम की उम्र ही नहीं है तो औलादों मां-बाप से चोरी चोरी होटलों और कैफ़े सेंटरों तक जाने में कोई झिझक नहीं करती। शारीरिक सम्बंध बनाने में भी कोई गुरज अब युवा पीढ़ी को नहीं रह गया है। ऐसे में हमारा समाज किस ओर जा रहा है, आए दिन ही ऐसी घटनाएं मां-बाप को कलंकित कर रही हैं।



अवैध हॉस्पिटल में भर्ती जच्चा बच्चा की हुई मौत

बुढ़ाना, 22 मार्च (बु.)। एक अवैध हॉस्पिटल में भर्ती कराए गये जच्चा बच्चा की अग्रशिक्षित महिला चिकित्सक की लापरवाही से मौत हो गयी। जच्चा-बच्चा की मौत से गुस्ताए ग्रामीणों ने अस्पताल में जन्मकर हंगामा किया, तो महिला चिकित्सक और स्टाफ़ एक-एक करके फरार हो गये। मौके पर पहुंची पुलिस ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कर शव को पीएम के लिए भेज दिया, जबकि सीपचसी प्रभारी ने अस्पताल सील कर मामले की जांच शुरू कर दी। भाजपा नेताओं ने बुढ़ाना कस्बे में चल रहे फ़र्जी अस्पतालों को सीज किए जाने की मांग की है। जानकारी मिली है कि बुढ़ाना कोतवाली क्षेत्र के गांव नगवा के निवासी ठाकुर अंकेर सिंह की पत्नी कुमकुम सोप को प्रसव पीड़ा के चलते डीएसी रोड पर स्थित एक अवैध हॉस्पिटल में किसी आशा कार्यकर्त्री के कहने पर भर्ती कराया गया था। आज सुबह गांव बुढ़कता निवासी एक महिला चिकित्सक सारिका राजपूत पत्नी अनिल की लापरवाही के चलते जच्चा-बच्चा की मौत हो गयी, तब परिजनों में खौफ़ पक़ार मच गयी, तो अस्पताल का स्टाफ़ एक-एक करके अस्पताल से फरार हो गया। उधर सूचना पाकर गांव नगवा से सैकड़ों ग्रामीण मौके पर आ गये और हस्पताल में तोड़फोड़ करनी चाही, लेकिन किसी की सूचना पर मौके पर पहुंची बुढ़ाना पुलिस ने हंगामा कर रहे आक्रोशित लोगों को शांत कर जच्चा-बच्चा के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपी महिला चिकित्सक और स्टाफ़ के लोगों को तलाश शुरू कर दी, वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बुढ़ाना के प्रभारी चिकित्सक अधिकारी डॉ. अर्जुन सिंह ने मौके पर पहुंचकर अस्पताल को सीज कर चिकित्सक के खिलाफ़ कार्यवाही शुरू कर दी।



बाईसवां रोज़ा - 23-03-2025
सुबह 6:32 इफ़्तार शिया 6:41

रमजान - 2025

तेईसवां रोज़ा - 24-03-2025
सुबह 4:50 इफ़्तार शिया 4:46

Happy Ramadan

हाजी अकरम (कलरू)
अवैध - नगर पंचायत, शाहपुर

हार्ट केयर सेंटर
देश विदेश में 35 वर्षों का अनुभव
35 हजार से अधिक सर्जरी के अनुभवी

डॉ. पंकज बोहरा
MD(Gen.Med.), DM (Cardiology),
MRCPI, FSCAI, Director, Chief Consultant
Interventional Cardiologist)
हृदय रोग विशेषज्ञ

आधुनिक सुविधाओं के साथ **24x7 SERVICE EVERYDAY**

- ▶ आई.सी.यू. ▶ एन्जियोग्राफी ▶ पेसमेकर
- ▶ 2D ईको ▶ एन्जियोप्लास्टीक ▶ इमरजेंसी सुविधाएं
- ▶ ई.सी.जी. ▶ इंटेसिव केयर यूनिट ▶ पैथोलॉजी लैब

पता:- 203/58, गली नं. 2, निकट डॉ. अशोक अग्रवाल पैथलैब, मैन रोड, सदर बाजार, मुज़फ़्फ़रनगर

नाम लिखवाने के लिए मोबाइल नम्बर - 8864856388 पर कॉल करें

समय:- दोपहर 12:00 बजे से रात्रि 08:00 बजे तक (शनिवार-रविवार अवकाश)

GRAIN CHAMBER PUBLIC SCHOOL Muzaffarnagar
Estd. 1985
(Affiliated to C.B.S.E.)
Affiliation No. 2130110

40+ years of Excellence in Education

ADMISSIONS OPEN 2025-26
Play to Class IX & XI

AC Class Rooms upto U.K.G.
DISCOVER INNOVATION IN EDUCATION

- # Focus on Academic Foundation
- # Brain Gym induced Pedagogy
- # Global Education with Indian Values
- # Following N.C.E.R.T. Books

Prospectus are available in the office between 7:30 a.m. and 2:30 p.m.

JR. WING : New Mandi
☎ 8899102141

SR. WING : Near Naveen Mandi Sthal
☎ 8899402549

G.D. GOENKA Public School, Muzaffarnagar
30 THIRTY & THRIVING 1994-2024

Every Child Deserves a Great Start!

PROVISIONAL ADMISSIONS OPEN SESSION 2025-26 FOR CLASS XI
SCIENCE | COMMERCE | HUMANITIES

The best in-class infrastructure at GDGPS Muzaffarnagar includes

- Air Conditioned Campus
- 1:20 Teacher-Student Ratio
- ATL Lab
- Fully Air Condition Transport System
- Swimming Pool
- Synthetic Lawn Tennis/Basket Ball Court
- 10 Acre Lush Green Campus

ADMISSIONS OPEN & SCHOLARSHIP*
For meritorious students of Grade X seeking admission to Grade XI

- ▶ 95% and above - 100% waiver on tuition fee.
- ▶ 90% - 94.99% - 50% waiver on tuition fee.
- ▶ 85% - 89.99% - 25% waiver on tuition fee.

ENQUIRE NOW
☎ 7060-671-720, 21
www.gdgoenkamuzaffarnagar.com

